



KENDRIYA VIDYALAYA JODHPUR DODA

NEWSLETTER (2024-25)



CCA

SWACHHATA PAKHWADA

FUNDAY

SCOUT AND GUIDES ACTIVITIES

NIPUN-FLN

CLASSROOM AWARDS

PTM

NEP

PRINCIPAL'S MESSAGE

THE ALL ROUND DEVELOPMENT OF PERSONALITY IS THE HIGHLY CHERISHED AIM OF EDUCATION THESE DAYS. KV JODHPUR IS COMMITTED TO WORK TIRELESSLY FOR ENSURING SUCH EDUCATION BESIDES FULFILLING THE MISSION OF KVS. WHILE ACADEMIC EXCELLENCE IS OUR MAJOR THRUST, THE SCHOOL IS ALSO DEVOTED TO PREPARE THE STUDENTS FOR LIFE, GROOM THEM TO FACE THE CHALLENGES OF TOMORROW, AND ENCOURAGE THEM TO BE SOCIALLY RELEVANT. WE CONSTANTLY ENDEAVOUR TO ALWAYS LIVE UP TO THIS IDEOLOGY AND INCULCATE THIS INTO EVERYTHING WE DO, WITH THE AIM THAT WE WILL BE ABLE TO ENSURE THAT THE CHILDREN GROW TO THEIR FULL POTENTIAL, WHILE CONSTANTLY BEING GROOMED TO PASS OUT AS MEN AND WOMEN COMPETENT TO BEAR RESPONSIBILITY IN ALL WALKS OF LIFE. THIS TRANSFORMATION IN OUR STUDENTS DEMANDS EFFORTS ON PAR FOOTING ON THE PART OF VIDYALAYA STAFF AND PARENTS. I PRAY ALMIGHTY TO PROVIDE US THE STRENGTH AND WISDOM TO FULFIL THIS HERCULEAN TASK.

CO-CURRICULAR ACTIVITIES

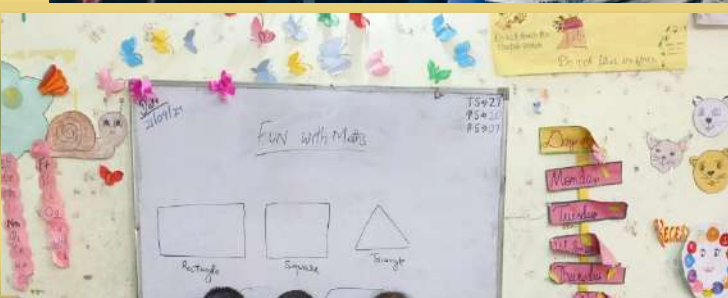




FUNDAY



Shot on OnePlus
Powered by Triple Camera



SWACHHATA PAKHWADA



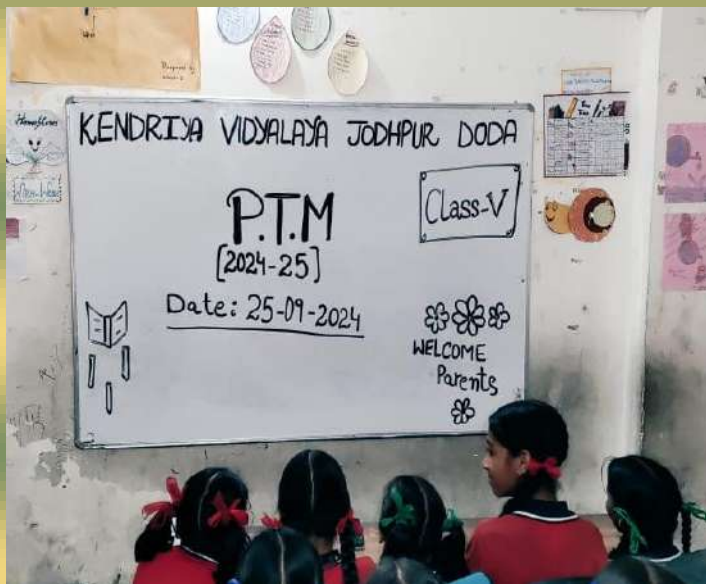
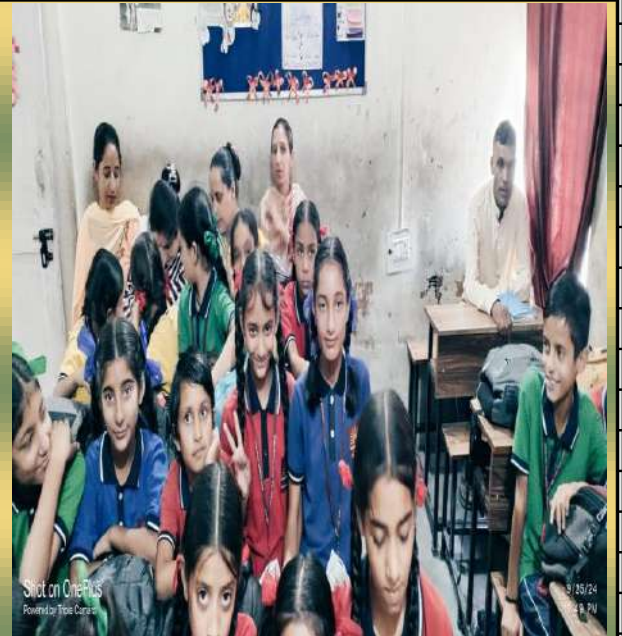
WORKSHOP ON SCHOOL EDUCATION AND NCF



CLASSROOM AWARD



PTM



POEMS WRITTEN BY TEACHER

करते थोड़ी है शैतानी,
थोड़ी करते है मनमानी।
ईश्वर करते वास है अंदर,
साथ में चंचलता भी भरकर।

छोटे बच्चे, मन के सच्चे।।

नित पढ़ने वो स्कूल में जाते,
दोस्तों का है साथ निभाते।
दौड़ते, भागते, गिरते, संभलते,
मन में उमंग भरकर है उठते।

छोटे बच्चे, मन के सच्चे।।

रूठते, मनाते लाड लड़ाते,
सीखते सीखाते लक्ष्य है पाते।
बदलते शरारते जिम्मेदारी में,
जाने कब बड़े हो जाते है बच्चे।

छोटे बच्चे, मन के सच्चे।।

- रवि कुमार

अध्यापक

अध्यापक कहो, विद्वान कहो या कहो आचार्य।
जग हित में होता है, उनका हरेक कार्य॥

मार्गदर्शक बनकर सुमार्ग दिखलाए,
बनकर भास्कर जग में उजाला बरसाए।
कथावाचक बन नैतिकता का पाठ पढ़ाए,
बन गुरु मानवता के कर्तव्यों से अवगत कराए॥

बन द्रोणाचार्य हमें अर्जुन सा वीर बनाए,
बन वशिष्ठ हममें राम जी के गुण उपजाए।
बन शशि विद्यार्थी जीवन में शीतलता भर जाए,
बन अग्नि कच्चे घड़े में परिपक्वता ले आए॥

मात-पिता के बाद दूजा इनका ऋण है माना,
इनकी दया से कोयला भी बने खजाना।
सिखाया है हमें जीत को गले लगाना,
इन्हीं ने सिखाया हमको हार को हराना॥

मुझ कच्ची मिट्टी को सुंदर मूर्ति का दिया आकार,
हृदय की गहराइयों से गुरुजन नमन करो स्वीकार॥

- रवि कुमार

Thank you

